साँस-साँस में बाँस

पाठ का सार / प्रतिपाद्य -

प्रस्तुत पाठ 'साँस-साँस में बाँस' के लेखक 'एलेक्स एम. जार्ज' हैं। पाठ में बाँस के महत्व और उसकी उपयोगिता के बारे में बताया गया है। बाँस हमारे जीवन से जुड़ा हुआ है। बाँस से घर, घर में प्रयोग किए जाने वाले बरतन, घर की सजावट का सामान आदि बनाए जाते हैं। जब बाँस सूख जाता है तो उसका प्रयोग जलावन की तरह किया जाता है।

बाँस से सामान बनाना एक कला है। इसमें कठिन परिश्रम करना पड़ता है। सबसे पहले अच्छे बाँस का चुनाव करना पड़ता है। उसके बाद उस बाँस को बारीकी से छीलना पड़ता है। उससे पतली-पतली खपच्चियाँ बनाई जाती हैं। फिर इन्हीं खपच्चियों को सही तरीके से बुना जाता है। एक के ऊपर दूसरे को लगाकर इसकी बुनाई की जाती है ताकि ये एक दूसरे से जुड़ी हुई रहे। बुनाई हो जाने के बाद बाँस की खपच्चियों के सिरों को नीचे की ओर मोड़कर उसी के साथ फँसा दिया जाता है ताकि बुनाई न खुले। इसी प्रकार कई तरह के सामान बनाए जाते हैं जिनका उपयोग हम अपने घरों में करते हैं। कुछ लोग बाँस का सामान बनाकर उसे बाज़ार में बेचने का व्यवसाय भी करते हैं।

इस प्रकार बाँस हमारे जीवन के लिए बहुत उपयोगी है। मनुष्य के जीवन से बाँस का रिश्ता बहुत गहरा है। जब मनुष्य छोटा बच्चा होता है तो उसे इसी बाँस से बने पालने में झुलाया जाता है। बड़े होने पर हम इसी बाँस से घर बनाते हैं। बाँस से बने सामान का प्रयोग घरों में किया जाता है। और अंततः मृत्यु के बाद इसी बाँस पर लिटाकर उसकी अंतिम यात्रा होती है। इस प्रकार हम यह कह सकते हैं कि बाँस हमारे जीवन का एक महत्वपुर्ण अंग है।

बाँस की उपयोगिता या महत्व -

(1) बाँस से बच्चों के पालने या तरह-तरह के खिलौने बनाए जाते हैं।
(2) बाँस से टोकरियाँ भी बनाई जाती हैं जिसका प्रयोग घरों में किया जाता है।
(3) सूखे बाँस का प्रयोग ईंधन की तरह जलाने के लिए किया जाता है।
(4) बाँस से रंग-बिरंगी, छोटी-बड़ी टोपियाँ भी बनाई जाती हैं।

बाँस से संबंधित प्रमुख जानकारियाँ -

(1) भारत के उत्तरी-पूर्वी क्षेत्रों में बाँस बहुत अधिक उगता है।
(2) नागालैंड में बाँस से बनी हुई चीज़ों का बहुत प्रचलन है।
(3) भोजन संग्रह करने या रोज़ की आवश्यक वस्तुओं को इकट्ठा करके रखने के लिए ही बाँस से बनी हुई वस्तुओं का आविष्कार हुआ।
(4) बाँस की टोकड़ियाँ बनाने के लिए एक से तीन बर्ष के उम्र बाले बाँस की आवश्यक्ता होती हैं। क्योंकि वे कोमल होते हैं आसानी से मुड़ जाते हैं।
(5) बाँस को काटने तथा छीलने के लिए एक विशेष प्रकार के चौड़े चाँकू का प्रयोग किया जाता है जिसे दाओ कहते हैं।

पाठ का उद्देश्य -

पाठ के माध्यम से बाँस तथा उसके महत्व को बताया गया है। बाँस समाज के लिए अत्यंत उपयोगी है। हमारे जीवन में बाँस का उपयोग विविध रूपों में किया जाता है। चटाइयाँ, टोकरी, फूलदान, मकान, फर्नीचर सभी चीज़ों के निर्माण के लिए बाँस उपयोगी है।

पाठ का संदेश -

पाठ के माध्यम से बाँस की उपयोगिता का संदेश दिया गया है। बाँस का संबंध केवल हमारी जीवन शैली तक ही सीमित नहीं है बल्कि बाँस हमारी संस्कृति का महत्वपूर्ण अंग भी है।